भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 5821

सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)

रोजगार परिणाम निगरानी तंत्र

5821. श्री हरीश चंद्र मीना:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) जैसे राष्ट्रीय रोजगार पोर्टलों पर पंजीकृत युवाओं के रोजगार परिणामों की निगरानी करने के लिए कोई तंत्र स्थापित किया है तथा इनकी नौकरियों, इंटर्नशिप, शिक्षुता और कौशल विकास कार्यक्रमों के संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान राजस्थान में उक्त पोर्टलों के माध्यम से प्रदान की गई नौकरियों, इंटर्नशिप, शिक्षुता और कौशल विकास के अवसरों की संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) टोंक और सवाई माधोपुर जिलों से उक्त पोर्टलों पर पंजीकृत युवाओं की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है और उक्त जिलों से नियोजन की सफलता और रोजगार प्राप्त करने वालों की संख्या कितनी है**?**

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ग): राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल देश भर के सभी हितधारकों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म **[**www.ncs.gov.in] के माध्यम से निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

दिनांक 28.02.2026 तक, एनसीएस पोर्टल पर 6.26 करोड़ से अधिक रोजगार चाहने वाले पंजीकृत हुए हैं, जिनमें से 45.68 लाख से अधिक रोजगार चाहने वाले राजस्थान से (टोंक और सवाई माधोपुर जिलों सहित) हैं।

एनसीएस पोर्टल पर अंतिम भर्ती के आंकड़ों को अधिसूचित करना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, स्थापना के बाद से देश भर में एनसीएस पोर्टल के माध्यम से 2.25 करोड़ से अधिक रोजगार चाहने वालों को चयनित किया गया है, जिनमें से 2.85 लाख से अधिक रोजगार चाहने वाले राजस्थान (टोंक और सवाई माधोपुर जिलों सहित) से हैं।

जुटाई गई रिक्तियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार और वर्ष-वार ब्यौरा https://www.ncs.gov.in/_layouts/15/ncsp/ViewStaticReport.aspx पर देखा जा सकता है।

एनसीएस पोर्टल, स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत है जिसे एक ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच के माध्यम से, रोजगार और उद्यमशीलता अवसरों हेतु व्यक्तियों की स्किलिंग, रि-स्किलिंग और अप-स्किलिंग के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन और विकसित किया गया है। एनसीएस पोर्टल को एसआईडीएच के साथ एकीकृत करने से एसआईडीएच पर रोजगार चाहने वाले कुशल व्यक्तियों के लिए एनसीएस पोर्टल का लाभ उठाने और एनसीएस के रोजगार चाहने वालों के लिए एसआईडीएच की कौशल सेवाओं का लाभ उठाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

सरकार कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के तहत, देश भर में कौशल विकास केंद्रों/विद्यालयों /महाविद्यालयों/ संस्थानों आदि के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) तथा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) आदि के तहत कौशल, पुन: कौशल और कौशल संवर्धन प्रशिक्षण का कार्यान्वयन भी कर रही है। एसआईएम का उद्देश्य भारत (राजस्थान सहित) के युवाओं को उद्योग जगत से संबंधित कौशल प्रदान करके भविष्य के लिए तैयार करना है।

स्किल इंडिया मिशन (एसआईएम) के तहत, 2015-16 में शुरू की गई पीएमकेवीवाई योजना ने 1.64 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों को (31 अक्टूबर 2025 तक) प्रशिक्षित और प्रमाणित किया है। एनएपीएस के तहत, वर्ष 2016-17 से वित्त वर्ष 2025-26 तक (31 अक्टूबर 2025 तक) 49.12 लाख प्रशिक्षुओं को जोड़ा गया है।

बजट 2024-25 में घोषित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का लक्ष्य पांच साल में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। पीएम इंटर्नशिप योजना, युवाओं को विभिन्न व्यवसायों या संगठनों के मध्य जा कर वास्तविक प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा अनुभव और कौशल हासिल करने का अवसर प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच के अंतर को पाटकर उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है। इस योजना को एक ऑनलाइन पोर्टल https://pminternship.mca.gov.in के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है।

*****